भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

29.07.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 1643 का उत्तर

तमिलनाडु में पूर्वी तट रेलवे का गठन

1643. कु. सुधा आर.:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या मंत्रालय को पश्चिमी तट पर कोंकण रेलवे की तर्ज़ पर पूर्वी तट रेलवे गठित करने संबंधी कोई अभ्यावेदन प्राप्त हुआ है;

(ख) यदि हाँ, तो अभ्यावेदन की स्थिति का ब्यौरा क्या है और क्या इस संबंध में कोई सर्वेक्षण करने का आदेश दिया गया है या कोई अन्य प्रशासनिक कार्रवाई की गई है;

(ग) क्या तमिलनाडु में सबसे उत्तरी बिंदु पुलिकट से सबसे दक्षिणी बिंदु कन्याकुमारी तक पूर्वी तट रेलवे शुरू करना व्यावहारिक है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या पूर्वी तट रेलवे के अध्ययन के लिए कोई समय-सीमा नियत की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और संभावित बजट परिव्यय कितना है; और

(ङ) क्या पूर्वी तट रेलवे तमिलनाडु में शुरू करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और क्या इसको नीति के रूप में घोषित किए जाने की संभावना है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): तमिलनाडु के पूर्वी तट पर स्थित चेन्नै और कन्याकुमारी पहले से ही वृद्धाचलम, तिरुच्चिराप्पल्ली, मदुरै, तिरुनेलवेली और नागरकोविल के रास्ते मौजूदा रेल नेटवर्क से जुड़े हुए

हैं। तमिलनाडु के तटीय क्षेत्र में संपर्कता में सुधार के लिए निम्नलिखित कार्य/सर्वेक्षण किए गए हैं:

क्र.सं.	परियोजना	स्थिति
1	चेन्नै - कडलूर नई लाइन (179 कि.मी.)	मामल्लापुरम, मारकानाम, पुदुच्चेरी के रास्ते चेन्नै - कडलूर (179 कि.मी.) नई लाइन परियोजना एक स्वीकृत परियोजना है। पुदुच्चेरी के पास संरेखण समस्याओं के कारण परियोजना को रोक दिया गया था। बहरहाल, जनता की विभिन्न माँगों के कारण और तटीय क्षेत्र के विकास की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, इस परियोजना को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया है।
2	नागप्पट्टिनम - तिरूत्तुरैपूंडी नई लाइन (36 कि.मी.)	120 हेक्टेयर में से 108 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहण का कार्य पूरा हो चुका है। 23 में से 11 बड़े पुल पूरे हो चुके हैं। 330 में से 288 छोटे पुल पूरे हो चुके हैं। 04 में से 01 उपरि सड़क पुल (आरओबी) पूरा किया जा चुका है। 34 में से 21 निचले सड़क पुल (आरयूबी) पूरे किए जा चुके हैं। 11 में से 7 स्टेशन भवन पूरे किए जा चुके हैं। शेष खंड का कार्य शुरू किया गया है।
3	ताम्बरम - चेंगलपट्टू चौथी लाइन (30 कि.मी.)	757 करोड़ रुपये की लागत पर हाल ही में स्वीकृत किया गया।
4	विल्लुपुरम - नागरकोविल तीसरी और चौथी लाइन (565 कि.मी.)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) को तैयार करने के लिए सर्वेक्षण स्वीकृत किया गया है।
5	विल्लुपुरम - तंजावुर दोहरीकरण (193 कि.मी.)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) को तैयार करने के लिए सर्वेक्षण स्वीकृत किया गया है।
6	तंजावुर - तिरुवरुर -	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर ली गई

	करैक्कल दोहरीकरण (96 कि.मी.)	है।
7	मानामदुरै - रामेश्वरम दोहरीकरण (113 कि.मी.)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) को तैयार करने के लिए सर्वेक्षण स्वीकृत किया गया है।
8	गुम्मिडीपुंडी- गुडुर तीसरी और चौथी लाइन (90 कि.मी.)	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कर ली गई है।

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के पश्चात्, परियोजना के लिए राज्य सरकारों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ विचार-विमर्श तथा नीति आयोग एवं वित्त मंत्रालय आदि से मूल्यांकन जैसी आवश्यक स्वीकृतियां अपेक्षित हैं। चूंकि हितधारकों के साथ विचार-विमर्श एक सतत् एवं गतिशील प्रक्रिया है, अतः निश्चित समय-सीमा विभिन्न हितधारकों के मूल्यांकन और अनुमोदन पर निर्भर करता है।

रेलवे बोर्ड, क्षेत्रीय रेलों, मंडल कार्यालय आदि सहित विभिन्न स्तरों पर संसद सदस्यों, केन्द्रीय सरकार के मंत्रालयों, निर्वाचित प्रतिनिधियों, रेलवे की अपनी आवश्यकताओं, संगठनों/रेल उपयोगकर्ताओं आदि द्वारा उठाई गई मांगों के आधार पर देशभर में रेलवे परिचोस्यों/कार्यों के लिए औपचारिक और अनौपचारिक दोनों प्रकार के प्रस्ताव/अनुरोध/सुझाव/अभ्यावेदन प्राप्त होते है। ऐसे प्रस्ताव/शिकायतें/सुझाव प्राप्त होना सतत् और गतिशील प्रक्रिया है। समय-समय पर इनकी जांच की जाती है और व्यवहार्य और औचित्यपूर्ण पाए जाने पर इन पर कार्रवाई की जाती है।

तमिलनाडु:

रेल बजट:

हाल के वर्षों में बजट आबंटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और संरक्षा कार्यों हेतु बजट आबंटन इस प्रकार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	879 करोड़ रुपए/वर्ष
2026-27	7,611 करोड़ रुपए (8 गुना से अधिक)

रेलपथ निर्माण:

तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले नए रेलपथ के निर्माण का ब्यौरा निम्नानुसार है:

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ
2009-14	923 कि.मी.
2014-26	1,356 कि.मी.

स्वीकृत की गई परियोजनाएं:

01.04.2026 की स्थिति के अनुसार, तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 27,282 करोड़ रुपए की लागत पर कुल 1,874 कि.मी. लंबाई वाली 19 परियोजनाओं (08 नई लाइन, 03 आमान परिवर्तन और 08 दोहरीकरण) को स्वीकृत किया गया है। इनका विवरण निम्नानुसार हैं:

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (किलोमीटर में)	मार्च, 2026 तक चालू की गई लंबाई (किलोमीटर में)	मार्च, 2026 तक कुल व्यय (करोड़ रुपए में)
नई लाइन	8	811	24	1,514
आमान परिवर्तन	3	748	631	3,605
दोहरीकरण/बहुपथन	8	314	54	3,693
कुल	19	1,874	709	8,811

हाल ही में पूरी की गई परियोजनाएँ:

तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली हाल ही में पूरी की गई कुछ परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ ₹ में)
1	डिंडीगुल-पोल्लाच्चि आमान परिवर्तन (121 किलोमीटर)	610

2	पोल्लाच्चि-पालघाट आमान परिवर्तन (56 किलोमीटर)	350
3	पोल्लाच्चि-पोत्तनूर आमान परिवर्तन (40 किलोमीटर)	400
4	क्विलोन-तिरुचेंदुर आमान परिवर्तन (357 किलोमीटर)	1122
5	मयिलादुतुरई - कराइक्कुडी आमान परिवर्तन (187 किलोमीटर)	1338
6	मदुरै-बोडियाकन्नूर आमान परिवर्तन (90 किलोमीटर)	593
7	चेंगलपट्टू-विल्लुपुरम दोहरीकरण (102 किलोमीटर)	670
8	तिरुवल्लूर-अराक्कोनम चौथी लाइन (27 किलोमीटर)	83
9	तंजावुर-पोनमलई दोहरीकरण (48 किलोमीटर)	370
10	विल्लुपुरम-डिंडीगुल दोहरीकरण (273 किलोमीटर)	2000
11	चेन्नै बीच-अट्टीपट्टू चौथी लाइन (22 किलोमीटर)	293
12	ओमलूर-मेत्तूरडैम कहीं-कहीं दोहरीकरण (29 किलोमीटर)	327
13	चेंगलपट्टू - विल्लुपुरम और तांबरम - चेंगलपट्टू तीसरी लाइन (133 किलोमीटर)	1122
14	सेलम-ओमालुर दोहरीकरण (11 किलोमीटर)	115
15	मदुरै-तूतीकोरीन दोहरीकरण (160 किलोमीटर)	1891
16	मनियाची-नागरकोविल दोहरीकरण (102 किलोमीटर)	1752
17	चेन्नै बीच- चेन्नै एग्मोर दोहरीकरण (4 किलोमीटर)	272

चालू परियोजनाएं:

तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुछ परियोजनाएँ, जिन्हें शुरू किया गया है, का ब्यौरा निम्नानुसार है:

क्र.सं.	परियोजना	लागत (करोड़ ₹ में)
1	टिंडीवनम-नगरि नई लाइन (184 किलोमीटर)	3,631

2	मोरप्पुर-धर्मपुरी नई लाइन (36 किलोमीटर)	359
3	तिरूवनंतपुरम- कन्याकुमारी दोहरीकरण (87 किलोमीटर)	4,494
4	इरुगुर-पोत्तनूर दोहरीकरण (11 किलोमीटर)	277
5	ताम्बरम- चेंगलपट्टू चौथी लाइन (30 किलोमीटर)	757
6	अत्तिपट्टु-गुम्मिडिपुंडी तीसरी और चौथी लाइन (23 किलोमीटर)	365
7	तिरुपति - काटपाडी दोहरीकरण (105 किलोमीटर)	1,216
8	तिण्डिवनम - तिरुवण्णामलै नई लाइन (71 किलोमीटर)	1,400
9	बैयप्पनहल्लि - होसुर दोहरीकरण (48 किलोमीटर)	1,160
10	अराक्कोनम - चेंगलपट्टु दोहरीकरण (68 किलोमीटर)	993
11	ईरोड - करुर दोहरीकरण (67 किलोमीटर)	986

पिछले तीन वर्षों में अर्थात 2023-24, 2024-25, 2025-26 और चालू वित्त वर्ष 2026-27 में, तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली कुल लंबाई 3,517 कि.मी. के 29 सर्वेक्षण (04 नई लाइन और 25 दोहरीकरण) स्वीकृत किए गए हैं।

भूमि अधिग्रहण में विलंब के कारण, तमिलनाडु राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजनाओं का निष्पादन रुका हुआ है। तमिलनाडु में भूमि अधिग्रहण की स्थिति निम्नानुसार है:

तमिलनाडु में परियोजनाओं के लिए कुल अपेक्षित भूमि	4,612 हेक्टेयर
अधिगृहीत की गई भूमि	1,178 हेक्टेयर (26%)
अधिग्रहण हेतु शेष भूमि	3,434 हेक्टेयर (74%)

भूमि अधिग्रहण में तेजी लाने के लिए तमिलनाडु राज्य सरकार के सहयोग की आवश्यकता है।

भूमि अधिग्रहण के कारण विलंबित हुई कुछ महत्वपूर्ण परियोजनाओं का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

क्र.सं.	परियोजना का नाम	कुल अपेक्षित भूमि	अधिगृहीत भूमि	अधिगृहीत की जाने वाली भूमि

		(हेक्टेयर में)	(हेक्टेयर में)	(हेक्टेयर में)
1.	तिंडीवनम - तिरुवण्णामलै नई लाइन (71 किलोमीटर)	276	33	243
2.	अतिपट्टू - पुत्तुर नई लाइन (88 किलोमीटर)	189	0	189
3.	मोरप्पुर - धर्मपुरी नई लाइन (36 किलोमीटर)	93	47	46
4.	मन्नारगुडी - पट्टुकोट्टई नई लाइन (41 किलोमीटर)	204	0	204
5.	तंजावूर - पट्टुकोट्टई नई लाइन (52 किलोमीटर)	152	0	152

इसके अलावा, रामेश्वरम - धनुषकोडी नई लाइन (18 कि.मी.) को ₹734 करोड़ की लागत पर स्वीकृति दी गई थी। परियोजना की आधारशिला 01.03.2019 को रखी गई थी। बहरहाल, तमिलनाडु राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण नहीं किये जाने के कारण परियोजना शुरू नहीं की जा सकी है।

भारत सरकार परियोजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए तत्पर है, तथापि सफलता तमिलनाडु सरकार के सहयोग पर निर्भर करती है।

किसी भी रेल परियोजना की स्वीकृति कई मानदंडों/कारकों पर निर्भर करती है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- अनुमानित यातायात अनुमान और प्रस्तावित मार्ग की लाभप्रदता
- परियोजना द्वारा प्रदत्त प्रथम एवं अंतिम छोर तक संपर्कता
- अनुपलब्ध कड़ियों को जोड़ना और अतिरिक्त मार्ग प्रदान करना
- संकुलित/संतृप्त लाइनों का आवर्धन
- राज्य सरकारों/केंद्रीय मंत्रालयों/जनप्रतिनिधियों द्वारा की गईं मांगें
- रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताएँ
- सामाजिक-आर्थिक महत्व

- **निधियों की समग्र उपलब्धता**

रेल परियोजना/परियोजनाओं का पूरा होना कई कारकों पर निर्भर करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- **राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण**
- **वानिकी स्वीकृति**
- **अतिलंघनकारी जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण**
- **विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियाँ**
- **क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक परिस्थितियाँ**
- **परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति**
- **परियोजना स्थल विशेष के लिए वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि।**

ये सभी कारक परियोजना/परियोजनाओं के समापन समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

******